हार्ट लैंप को वर्ष 2025 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला

[स्रोत: द हिंदू](#)

बानू मुश्ताक द्वारा लिखित लघु कहानी संग्रह **"हार्ट लैंप",** जिसका **दीपा भास्ती** द्वारा अंग्रेज़ी में अनुवाद किया गया है, **वर्ष 2025** [अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार](#) जीतने वाली पहली कन्नड़ कृति बन गई है, जो भारतीय क्षेत्रीय साहित्य के लिये एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

- हार्ट लैंप में **पितृसत्ता के अधीन महिलाओं के संघर्ष को चित्रित करने वाली कहानियाँ** हैं, जो **बंदया साहित्य आंदोलन** की प्रतिध्वनि हैं और लैंगिक भेदभाव के सार्वभौमिक विषयों पर प्रकाश डालती हैं।
  - **1970 के दशक के बंदया आंदोलन ने महिलाओं के अधिकार और दलित मुद्दों** पर साहित्यिक एवं सामाजिक सक्रियता को प्रज्वलित किया, जिसने कर्नाटक के साथ-साथ भारतीय राजनीति और साहित्य को प्रभावित किया।
- **अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार:** यह पूर्व में **मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार** के नाम से जाना जाता था, यह अनूदित उपन्यास के लिये एक प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार है, जो UK या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ दीर्घ-रचनाओं या लघु कहानी संग्रहों को सम्मानित करता है। यह **बुकर पुरस्कार फाउंडेशन, UK** द्वारा प्रदान किया जाता है।
  - पुरस्कार में 50,000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड (GBP) की धनराशि प्रदान की जाती है, जिसे लेखक और अनुवादक के बीच बराबर-बराबर सहभाजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक चयनित लेखक और अनुवादक को 2,500 GBP प्रदान किया जाता है।
- **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता:**

वर्ष	लेखक	कृति
1971	वी. एस. नायपॉल	इन अ फ्री स्टेट
1981	सलमान रुश्दी	मिडनाइट्स चिल्ड्रन
1997	अरुंधति रॉय	द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स
2006	किरण देसाई	द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस
2008	अरविंद अडिगा	द व्हाइट टाइगर
2022	गीतांजलि श्री	टॉम्ब ऑफ सैंड

और पढ़ें: [अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2024](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/heart-lamp-wins-2025-international-booker-prize